॥ ॐ श्रीपरमात्मने नमः ॥

कल्याण

'जन्मभूमि मम पुरी सुहावनि'

वर्ष ६८

श्रीरामभक्ति-अङ्क

संख्या ७

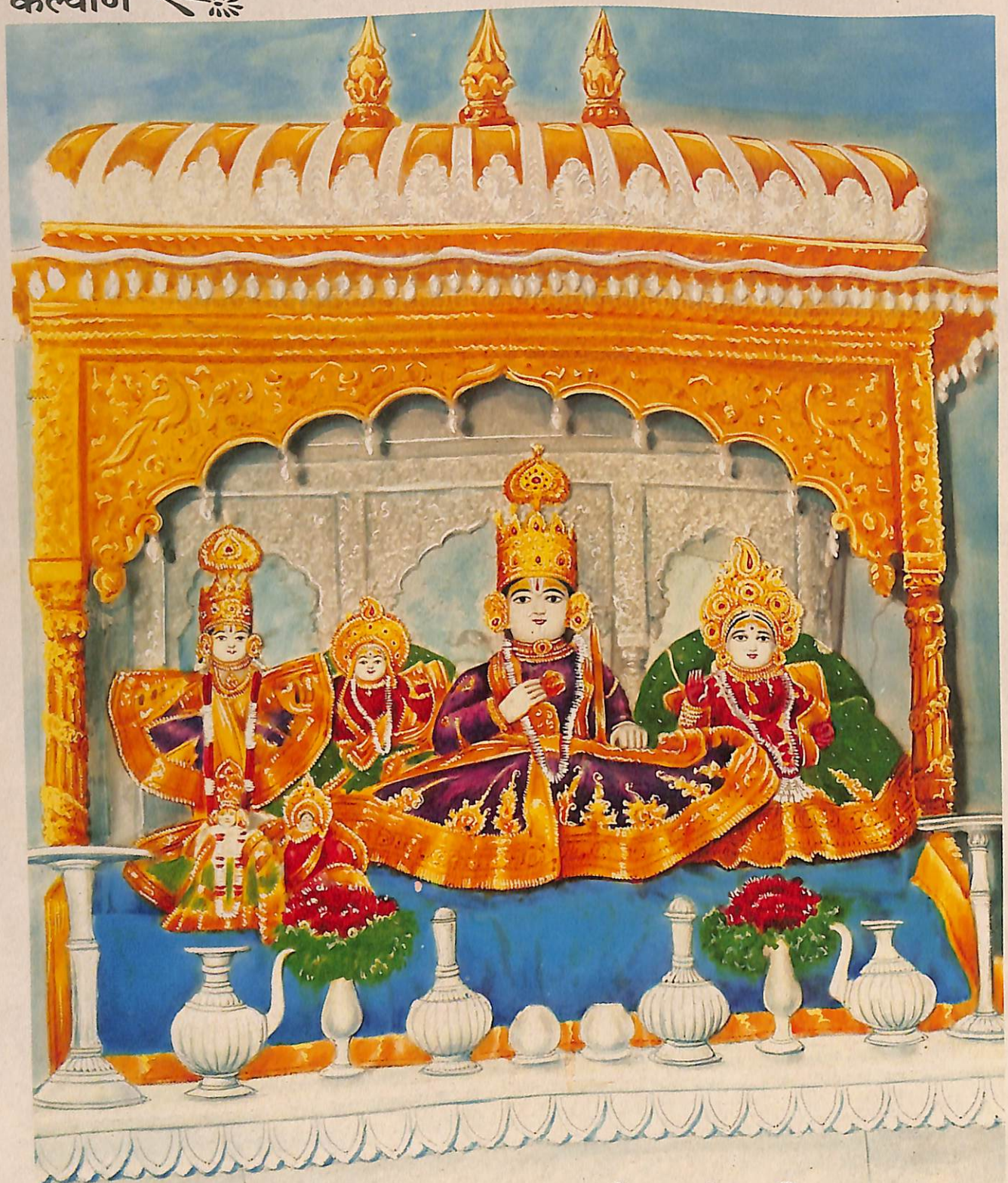

श्री कनकभवन बिहारी जी
(अयोध्या)

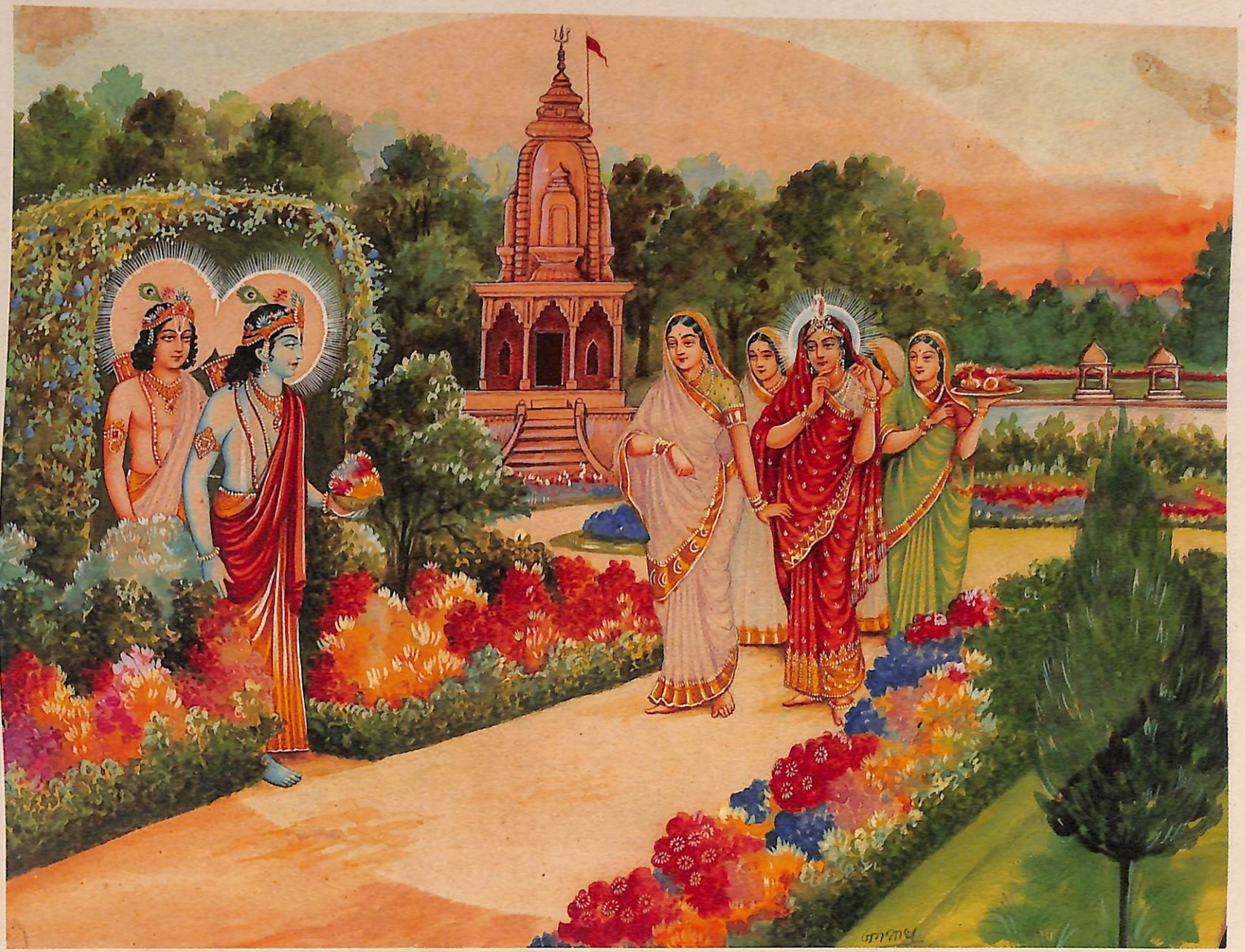

पुष्पवाटिकामें सीता और रामका प्रथम दर्शन

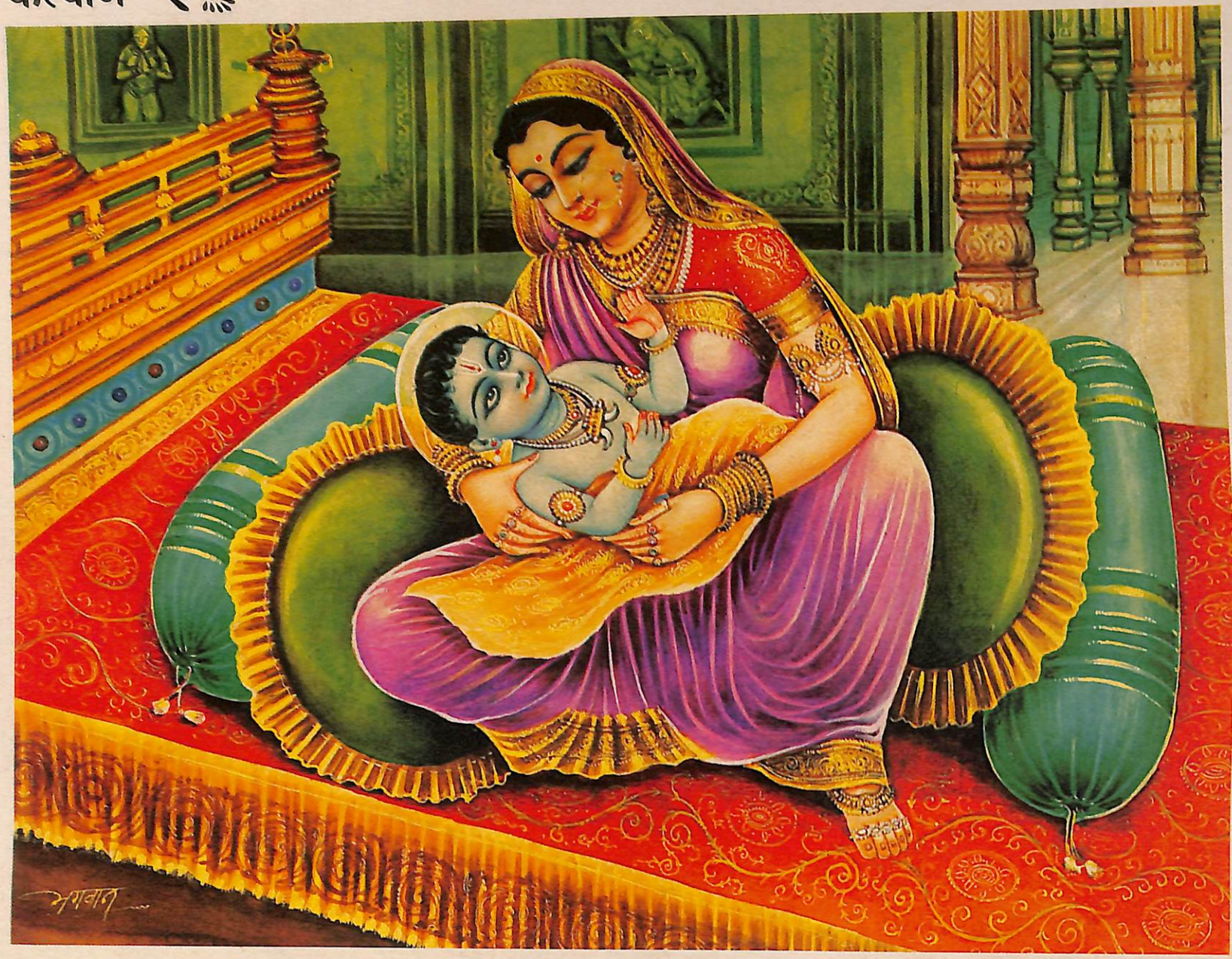

माता कौसल्याकी गोदमें परब्रह्म श्रीराम

श्रीरामभक्तिका मूलमन्त्र—नाम-संकीर्तन

'सोहे रामसिया की जोरी'

पद पखारि जलु पान करि आपु सहित परिवार । पितर पारु करि प्रभुहि पुनि मुदित गयउ लेइ पार ॥

पाहि नाथ कहि पाहि गोसाईं। भूतल परे लकुट की नाईं ।।

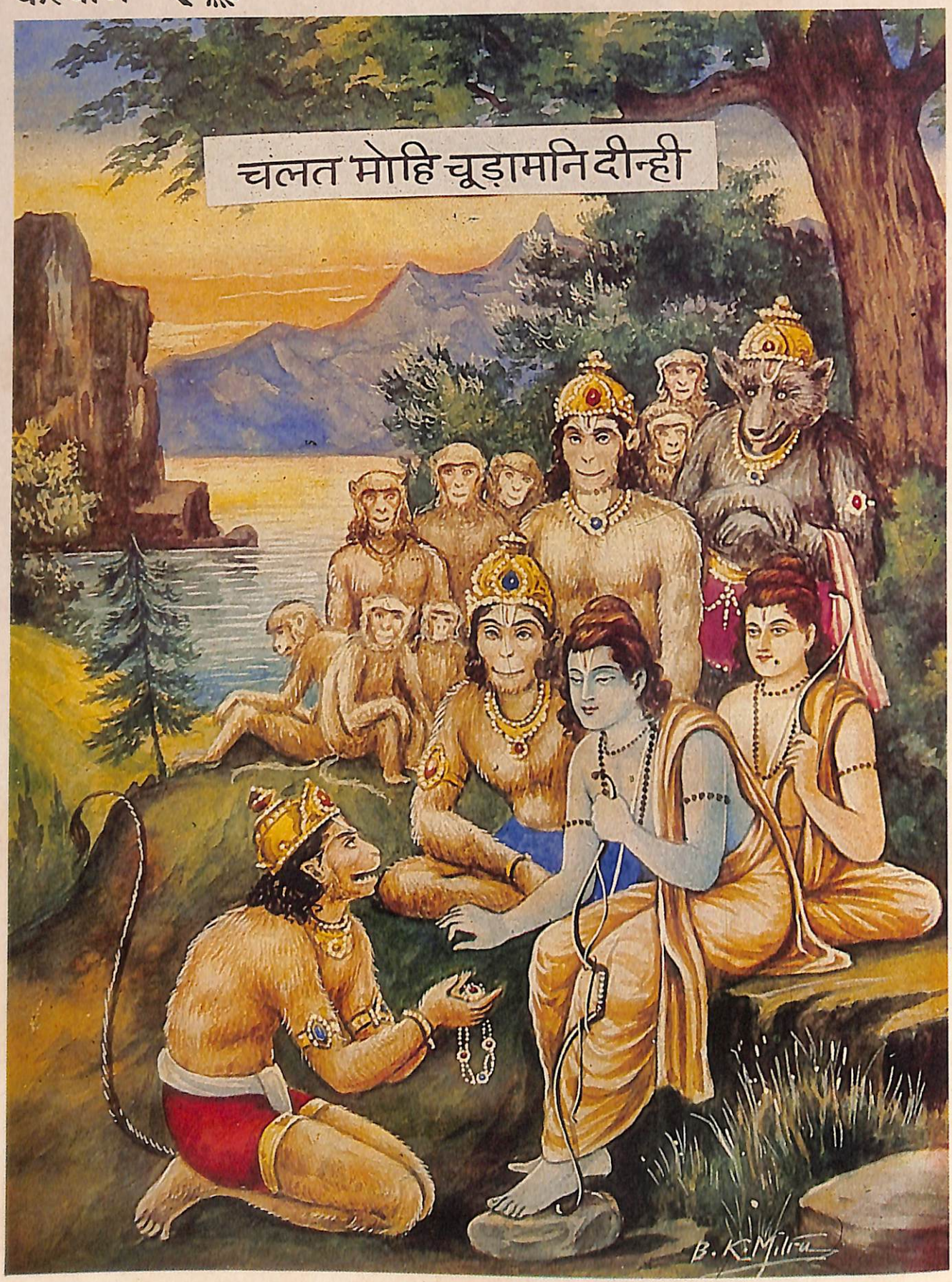

सीताद्वारा प्रदत्त चूड़ामणि श्रीरामको समर्पित करना

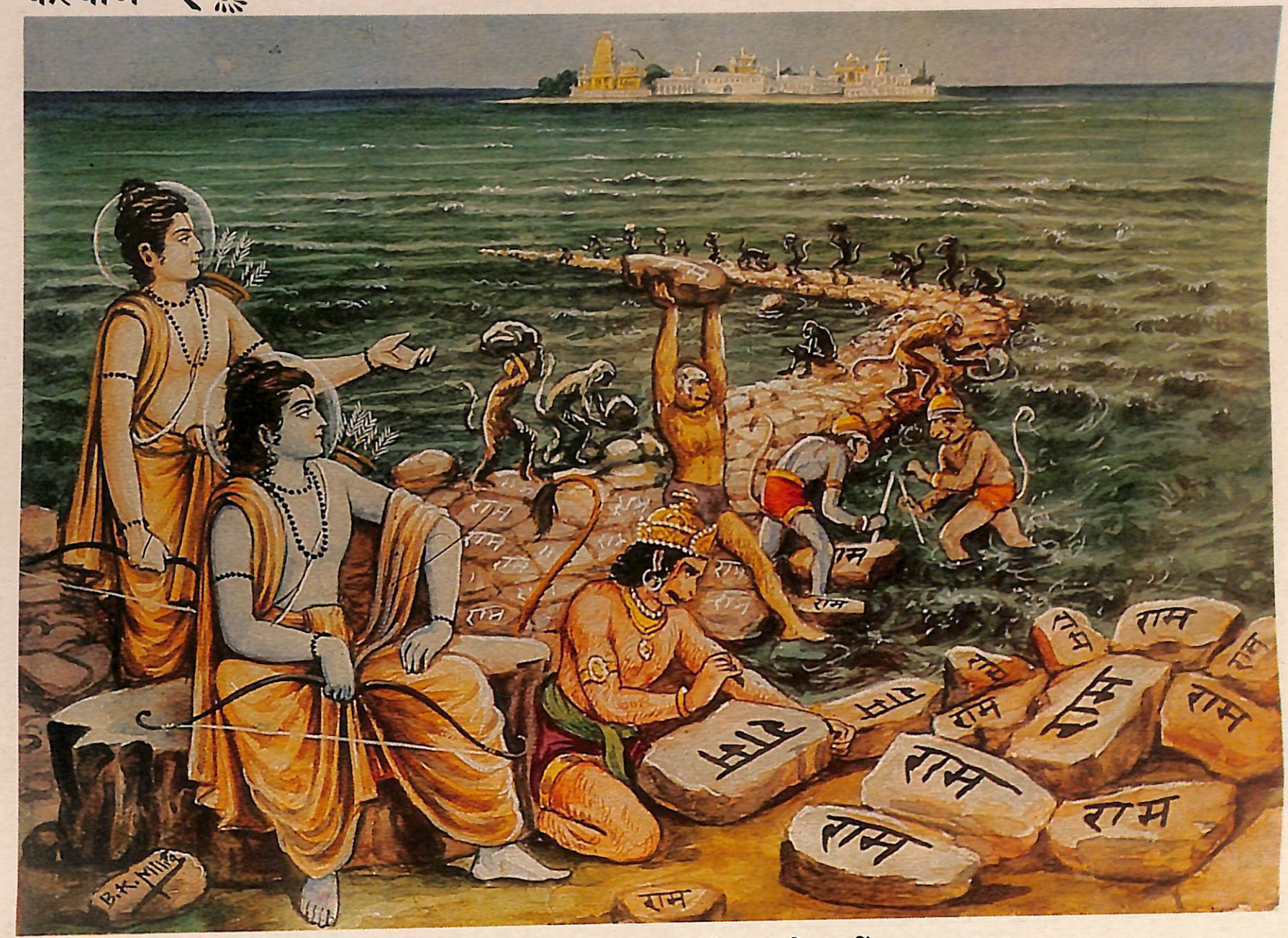

श्री रघुबीर प्रताप ते सिंधु तरे पाषान। ते मतिमंद जे राम तजि भजहिं जाइ प्रभु आन॥

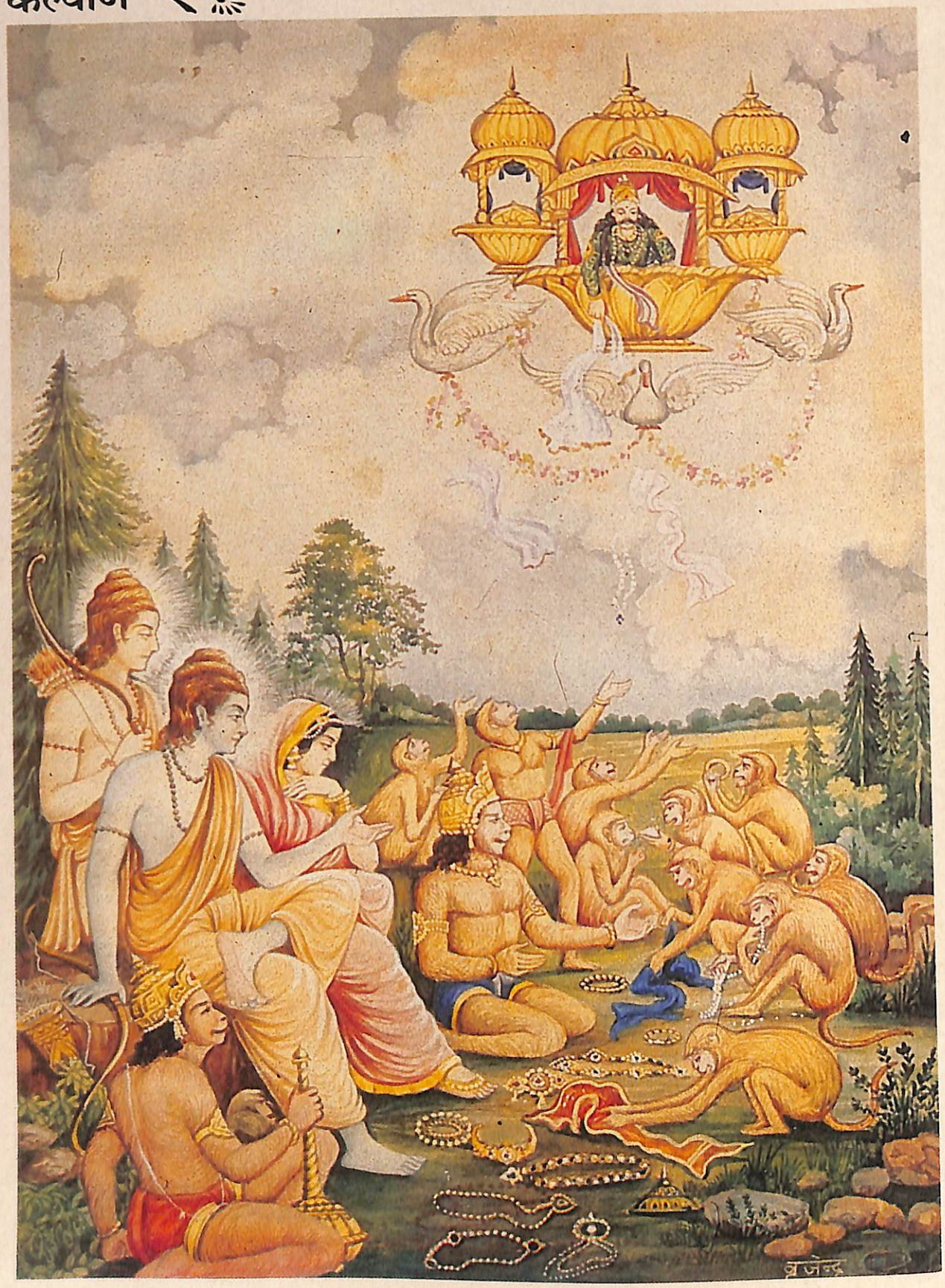

विभीषणद्वारा वस्त्राभूषणोंकी वर्षा

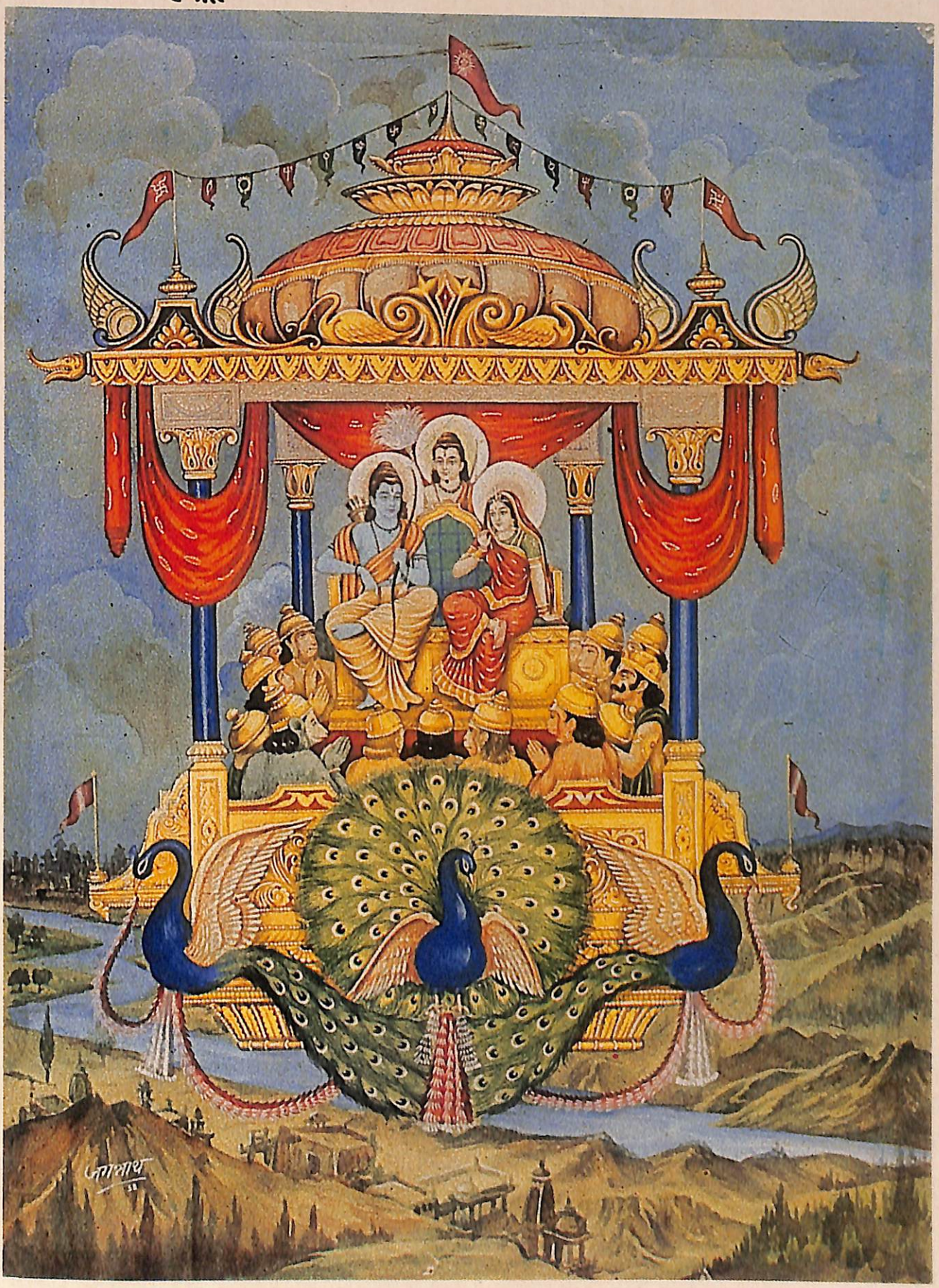

भगवान् रामका पुष्पक-यानद्वारा लंकासे अयोध्या-प्रत्यावर्तन

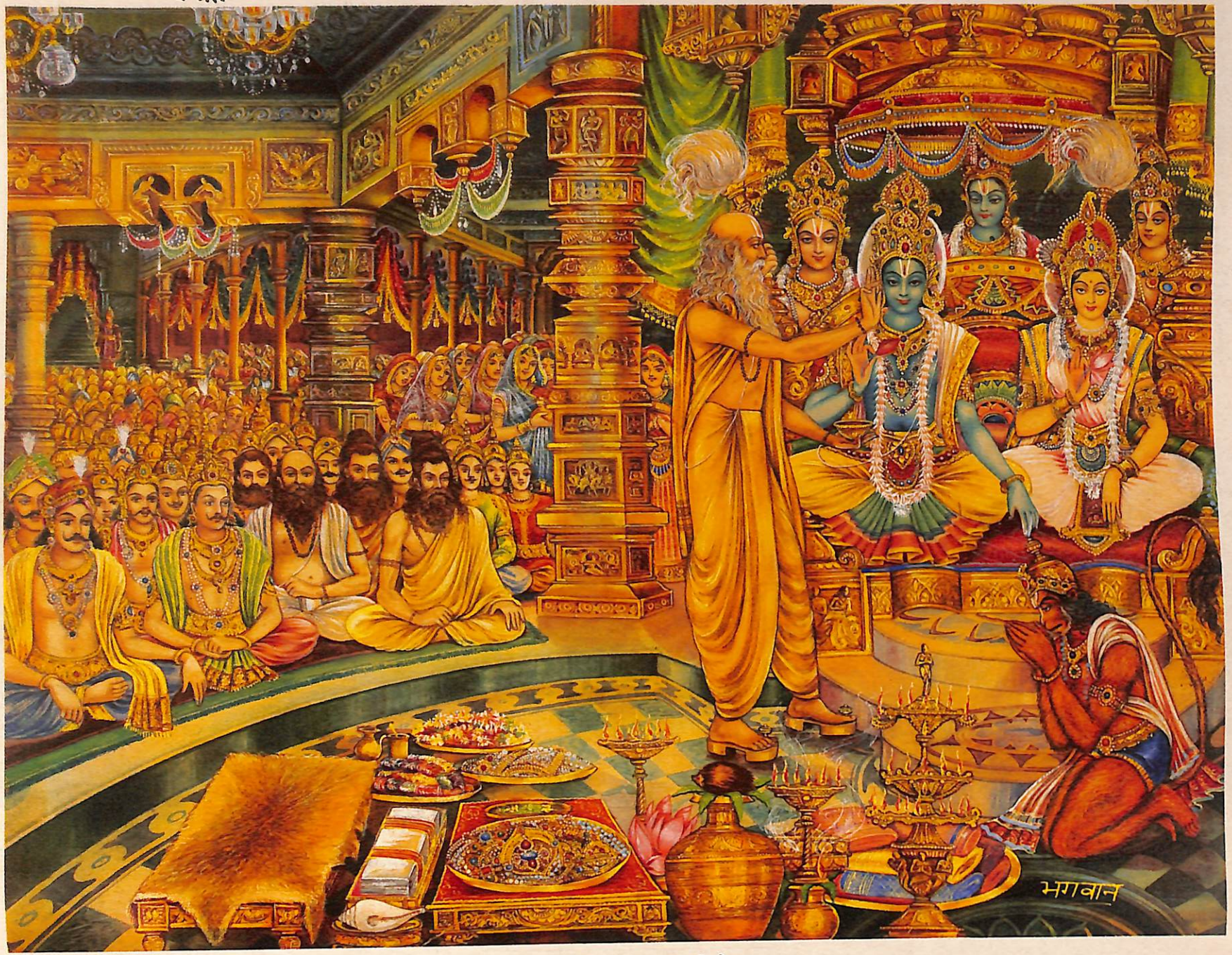

भगवान् श्रीरामका राज्याभिषेक